

## खेलों में क्षेत्रीय भाषाओं की भूमिका और महत्व

डॉ. प्रवीण ब्रिजलाल चंदनशिवे

सहायक प्राध्यापक

हिंदी विभाग

जे.ई.एस. महाविद्यालय, जालना.

dr.chandanshive94@gmail.com.

### Article Info

Received: 17/02/2025

Revised: 19/03/2025

Accepted: 22/03/2025

**Keywords:** क्षेत्रीय भाषा, खेल संचार, प्रशंसक सहभागिता, मीडिया प्रसारण, जमीनी स्तर का विकास, खेल पत्रकारिता.

### Abstract

खेल वैश्विक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो समुदायों के बीच एकता, पहचान और सहभागिता को बढ़ावा देते हैं। हालांकि अंतरराष्ट्रीय खेल संचार मुख्य रूप से अंग्रेजी और अन्य प्रमुख भाषाओं पर निर्भर करता है, लेकिन क्षेत्रीय भाषाएं खेलों की पहुँच, समावेशन और भावनात्मक जुड़ाव को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यहां हम भाषा के कुछ महत्व भी देख देख सकते हैं जैसे के भाषा से हम अपने विचारों को और भावों को व्यक्त कर सकते हैं। भाषा से हम एक दूसरे के साथ जुड़ सकते हैं। भाषा के द्वारा हम अपनी सोच को आगे बढ़ाते हैं और भविष्य की योजना बनाते हैं। भाषा से ही हम एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान और समझ का आदान प्रदान कर सकते हैं। भाषा से ही हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हम अपने मनोगत प्रकट कर सकते हैं। यह शोध पत्र खेलों में क्षेत्रीय भाषाओं की भूमिका का विश्लेषण करता है, जिसमें प्रशंसकों की सहभागिता, खिलाड़ियों के संचार, मीडिया प्रसारण और खेल संस्कृति के विकास पर उनका प्रभाव शामिल है। अध्ययन के माध्यम से यह दर्शाया गया है कि कैसे क्षेत्रीय भाषाएं खेल पत्रकारिता, कमेंट्री, जमीनी स्तर के विकास और ब्रांडिंग में योगदान करती हैं, जिससे खेलों को अधिक विविध और समावेशी बनाया जा सकता है।

### प्रस्तावना

भाषा संचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जो मानवीय संबंधों को आकार देती है, और खेल भी इससे अछूते नहीं हैं। जहां वैश्विक खेल आयोजनों में मुख्य रूप से अंग्रेजी का उपयोग किया जाता है, वहीं क्षेत्रीय भाषाएं स्थानीय दर्शकों के साथ गहरा संबंध स्थापित करने में मदद करती हैं। भाषा की कक्षा में भाषाई खेलों का आयोजन शिक्षक को समृद्ध एवं प्रभावशाली तथा स्थाई बनाने में शिक्षक तथा छात्रों की सहायता करता है।

इस शोध पत्र का उद्देश्य खेल उद्योग में क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व का विश्लेषण करना तथा खेलों की भूमिका क्या होती है, खेल मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण

है यह हमें स्वस्थ रखने, दिमाग की क्षमता को विकसित करने, सामरिक तक अभ्यास करने और टीमवर्क करने का अवसर प्रदान करता है। यह हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है और हमें सकारात्मक रूप से सोने संघर्ष करने और जीतने की क्षमता प्रदान करता है, और विभिन्न हितधारकों जैसे खिलाड़ी, प्रशंसक, मीडिया हाउस और खेल संगठन पर उनके प्रभाव को समझना है।

खेल कितने प्रकार के होते हैं खेल कई प्रकार के होते हैं, जैसे की खेलने का तरीका, खेल में चुनौतियां, खेल का स्वरूप, खेल

का मकसद, खेल की प्रतियोगिता का प्रकार, खेल का स्थान, खेल की शैली और खेल का प्रकार।

खेलों के प्रकार खेलों के प्रकार में अन्वेषणात्मक खेल, संरचनात्मक खेल, काल्पनिक खेल, नियमबद्ध खेल, व्यक्तिगत खेल, दोहरे खेल, स्वदेशी खेल, आउटडोर खेल, पानी के खेला।

## 2. खेलों में क्षेत्रीय भाषाओं की भूमिका

### 2.1. प्रशंसकों की सहभागिता बढ़ाना।

खेलों में भावनात्मक जुड़ाव आवश्यक होता है, और भाषा इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब खेल से जुड़ी सामग्री, जैसे कि कमेंट्री, साक्षात्कार और विश्लेषण, किसी व्यक्ति की मातृभाषा में प्रस्तुत किए जाते हैं, जिससे हम खेल और खिलाड़ी की प्रशंसा उसके किए हुए कार्य, उनसे की हुई रूबरू बातचीत अपने विचारों को आदान-प्रदान करना अपनी भावनाएं व्यक्त करना और खेलों का विश्लेषण करने कारण वे उससे अधिक गहराई से जुड़ते हैं। इससे खेल आयोजनों में भागीदारी और रुचि बढ़ती है। इस प्रकार खेलों में भाषा शिक्षण विधि को बहुत महत्व है सभी स्तर के खिलाड़ियों को भाषा शिक्षण के शिक्षण के लिए उत्तम एवं उपयोगी है। मौखिक भाषा अभिगमन हेतु खेल विधि सर्वाधिक महत्वपूर्ण है खेलों के द्वारा अभिव्यक्ति होती है जो वाद विवाद, एक दूसरे से विचारों का आदान-प्रदान आदि वीडियो में सहायक होती है।

### 2.2. स्थानीय और जमीनी स्तर पर खेलों के विकास को मजबूत करना।

सभी खेलों में कोचिंग, प्रशिक्षण और खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय भाषाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। जमीनी स्तर

पर, जहां कई खिलाड़ी ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से आते हैं, उनकी मातृभाषा में खेल की रणनीतियों और तकनीकों को समझना आसान होता है। अगर प्रशिक्षकों और कोचों द्वारा केवल अंग्रेजी या विदेशी भाषाओं में मार्गदर्शन दिया जाए, तो इससे कई उभरते खिलाड़ियों के लिए खेल सीखने में बाधा आ सकती है। वही मार्गदर्शन यदि हमारी मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषाओं में समझाई जाए तो खिलाड़ियों को समझने और उसे अमल में लाने में बहुत आसानी होती है और उससे उन्हें उभरने के लिए प्रेरणा मिलती है।

### 2.3. मीडिया कवरेज और कमेंट्री में सुधार।

खेल पत्रकारिता और प्रसारण में भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। क्षेत्रीय भाषाओं में खेलों की कवरेज से विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि के लोगों तक खेलों की पहुंच बढ़ती है। उदाहरण के लिए, भारत में क्रिकेट कमेंट्री हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में प्रसारित की जाती है, जिससे ग्रामीण और गैर-अंग्रेजी भाषी दर्शकों की रुचि बढ़ी है। इसी तरह, फुटबॉल में स्पेनिश और पुर्तगाली कमेंट्री की लोकप्रियता ने लैटिन अमेरिका में खेल को व्यापक रूप से फैलाने में मदद की है। यही कमेंट्री अगर हमारी क्षेत्रीय और मातृभाषा में सुनने और देखने से वृक्षों को में रुचि बढ़ती है खेल समझता है और प्रेषक वर्ग की तादाद भी बढ़ती है इससे खेलों का प्रचार प्रसार भी होता है और प्रेषक वर्ग की तादाद भी बढ़ती है।

### 2.4. ब्रांडिंग और व्यवसायीकरण में सहायता।

खेल लीग, क्लब और फ्रेंचाइजी अपनी पहचान और बाजार उपस्थिति को मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग करते हैं। स्थानीय भाषाओं में विज्ञापन, मार्केटिंग और प्रचार सामग्री बनाने से प्रायोजकों और प्रशंसकों को अधिक आकर्षित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) ने बहुभाषी प्रसारण की शुरुआत की, जिससे क्रिकेट उन लाखों दर्शकों तक पहुंचा जो अंग्रेजी की तुलना में अपनी मातृभाषा में देखना पसंद करते हैं। इस रणनीति ने दर्शकों की सहभागिता और व्यावसायिक सफलता में वृद्धि की है। इसी कारण से प्रतिवर्ष इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का प्रसारण, प्रसिद्धि और प्रेषक वर्ग की संख्या बढ़ती जा रही है।

### 3. खेल संचार में क्षेत्रीय भाषाओं का महत्व।

3.1. समावेशन और विविधता को प्रोत्साहन। खेलों को समावेशी होना चाहिए, और भाषाई विविधता सुनिश्चित करने से अधिक लोगों की भागीदारी संभव होती है। खेल आयोजनों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बहुभाषीय समर्थन देने से खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और प्रशंसकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा सकता है। इसी प्रकार से खेलों के जितने आयोजन किए जाएंगे उसी प्रकार से खिलाड़ियों की संख्या भी बढ़ती जाएगी तथा प्रेस कॉन्फ्रेंस और मीडिया के प्रसिद्ध के द्वारा चाहने वाले वर्षों की भी संख्या बढ़ने लगेगी इस तरह से खेलकूद के वातावरण की भी निर्मित होगी।

### **3.2. स्थानीय खिलाड़ियों को सशक्त बनाना.**

क्षेत्रीय खेल यह पारंपरिक खेलों के समान होते हैं, लेकिन यह किसी देश के विशेष क्षेत्र या इलाकों या यहां तक की छोटे समुदायों तक ही सीमित होते हैं। कई खिलाड़ी अपनी मातृभाषा में अधिक सहज महसूस करते हैं। उन्हें क्षेत्रीय भाषाओं में साक्षात्कार, प्रेस कॉन्फ्रेंस और आधिकारिक कार्यक्रमों में बोलने की अनुमति देने से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और वह अपने विचारों को स्पष्ट, सरल तथा आसानी से अपने विचार और भावनाएं प्रस्तुत कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, FIFA और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने बहुभाषीय नीति अपनाई है, जिससे गैर-अंग्रेजी भाषी देशों के खिलाड़ियों को भाषा संबंधी किसी भी अवरोध का सामना नहीं करना पड़ता।

### **3.3. खेलों में सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना.**

भाषा यह हमारे संस्कृति का अतिशय महत्वपूर्ण हिस्सा है, और क्षेत्रीय भाषाएं खेलों में अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने में सहायक होती हैं। परंपरागत खेल जैसे कबड्डी (भारत), सूमो कुश्ती (जापान), और गेलिक फुटबॉल (आयरलैंड) तब अधिक लोकप्रिय होते हैं जब उन्हें उनकी अपनी मूल भाषा में बढ़ावा दिया जाता है और अपने ही क्षेत्रीय लोगों में इसका प्रचार और प्रसार किया जाता है।

4. खेलों में क्षेत्रीय भाषाओं के प्रभाव पर केस स्टडी.

#### **4.1. इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) और बहुभाषी कमेंट्री.**

IPL ने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगाली और मराठी में कमेंट्री उपलब्ध कराकर क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाई है। आईपीएल में बहुभाषी कमेंट्री दर्शकों को अपनी मातृभाषा में खेल का आनंद लेने का अवसर देती है जिससे क्रिकेट की समान खेल शब्दों के अलग-अलग अनुवाद होने से भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है, जिसे संचार प्रभावित नहीं हो पता।

लोकप्रियता देशभर में बढ़ती है। इससे क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा मिलता है और खेलों में भाषण समावेशिता को प्रोत्साहन मिलता है।

#### **4.2. FIFA विश्व कप और बहुभाषी प्रसारण.**

FIFA फुटबॉल मैचों का प्रसारण विभिन्न भाषाओं में करता है, जिससे दुनियाभर में खेल की पहुँच बढ़ती है, फीफा विश्व कप

का बहुभाषी प्रसारण विभिन्न देशों के फुटबाल प्रेमियों को अपनी भाषा में खेल समझने और जुड़ने का मौका देता है। यह भाषाई विविधता को सम्मान देता है और फुटबॉल को वैश्विक स्तर पर अधिक समावेशी बनता है।

### **4.3. ओलंपिक खेल और भाषाई विविधता.**

ओलंपिक आयोजनों में बहुभाषी समर्थन दिया जाता है, जिससे खिलाड़ियों और अधिकारियों को संवाद में आसानी होती है। ओलंपिक खेलों में बहुभाषी संचार खिलाड़ियों, कोचों और दर्शकों के बीच प्रभावी संवाद सुनिश्चित करता है। यह दुनिया की विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को एक साथ लाने में सहायक होता है, जिस खेल की भावना अधिक सशक्त बनती है।

### **5. क्षेत्रीय भाषाओं को खेलों में लागू करने की चुनौतियाँ.**

#### **5.1. संसाधनों की कमी.**

बहुभाषीय खेल सामग्री के लिए अनुवाद, डबिंग और विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है, जिससे छोटे खेल संगठनों के लिए यह आर्थिक रूप से कठिन हो सकता है। क्षेत्रीय भाषाओं में खेलों की कमेंट्री, विश्लेषण और सामग्री के लिए उच्च गुणवत्ता वाले संसाधनों की कमी बनी रहती है, जिससे व्यापक दशकों तक पहुंचना कठिन हो जाता है। प्रशिक्षित अनुवादकों, तकनीकी सहायता और मीडिया इंफ्रास्ट्रक्चर के अभाव में क्षेत्रीय भाषाओं में खेल सामग्री का उत्पादन सीमित रह जाता है।

#### **5.2. मानकीकरण की समस्या.**

कुछ खेल शब्दों के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में कोई सटीक अनुवाद नहीं होता, जिससे गलतफहमी हो सकती है। विभिन्न क्षेत्रीयभाषा में खेल शब्दावली का मानकीकरण ना होने से दर्शकों के लिए खेलों को समझना जटिल हो सकता है। कई भाषाओं में

#### **5.3. वैश्विक और स्थानीय दर्शकों के बीच संतुलन.**

खेल मीडिया को वैश्विक कवरेज और क्षेत्रीय भाषा प्रसारण के बीच संतुलन बनाए रखना एक चुनौती होती है। खेल प्रसारण में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने से स्थानीय दर्शकों को जुड़ाव महसूस होता है, लेकिन साथ ही वैश्विक दर्शकों के लिए अंग्रेजी या अन्य लोकप्रिय भाषाओं को बनाए रखना आवश्यक होता है। टूर्नामेंट आयोजकों और मीडिया कंपनियों को स्थानीय

भाषाओं में सामग्री उपलब्ध कराने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय दर्शकों की आवश्यकताओं का भी ध्यान रखना पड़ता है।

## 6. खेलों में क्षेत्रीय भाषाओं को मजबूत करने के लिए सिफारिशें.

खेलकूद में शामिल खिलाड़ी ऐसे कौशल विकसित कर सकते हैं, जो उन्हें खेलते समय और वास्तविक जीवन की स्थितियों में मदद करते हैं। आम तौर पर खेलों के लिए एक साथी या अनेक लोगों के समूह की आवश्यकता होती है। इससे संचार, टीम वर्क, निर्णय लेने, नेतृत्व कौशल जवाबदेही, समय प्रबंधन और बहुत कुछ जैसे कौशल में सुधार होता है।

1. बहुभाषी प्रसारण का विस्तार : खेल चैनलों और डिजिटल प्लेटफार्मों को क्षेत्रीय भाषा कमेंट्री और विश्लेषण में निवेश करना चाहिए। खेलों के प्रसार को अधिक क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध करने से स्थानीय दर्शकों की भागीदारी बढ़ेगी और खेलों की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। डिजिटल और टेलीविजन मीडिया में बहुभाषी कमेंट्री को प्रोत्साहित करने से खेलों की पहुंच और प्रभाव व्यापक होगा।

2. बहुभाषी प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करना : कोचों और प्रशिक्षकों को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशिक्षण देने के लिए

प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। खिलाड़ियों और कोचों के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराकर खेलों की तकनीकी समझ को मजबूत किया जा सकता है। बहुभाषी

प्रशिक्षण कार्यक्रम से स्थानीय प्रतिभाओं को बेहतर मार्गदर्शन मिलेगा और खेलों में उनकी भागीदारी बढ़ेगी।

3. खिलाड़ियों की मातृभाषा में संवाद को बढ़ावा देना: खिलाड़ियों को अपनी भाषा में साक्षात्कार और आधिकारिक संचार की अनुमति दी जानी चाहिए। खिलाड़ियों को उनकी मातृभाषा में संवाद करने का अवसर देने से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रदर्शन में सुधार होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस, साक्षात्कार और रणनीति बैठकों में मातृभाषा के उपयोग से स्पष्टता और बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सकता है।

4. सरकारी और निजी समर्थन : खेलों में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। सरकार और निजी संगठनों को क्षेत्रीय भाषा में खेल सामग्री, प्रसारण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बनानी चाहिए। स्पॉन्सरशिप और अनुदान के माध्यम से बहुभाषी खेल पहलका समर्थन करने से स्थानीय खेल संस्कृति को मजबूती मिलेगी।

5. खेलों के लिए मानकीकृत शब्दावली बनाना : भाषा विशेषज्ञों और खेल पेशेवरों को मिलकर खेलों के लिए क्षेत्रीय शब्दावली विकसित करनी चाहिए, खेलों में क्षेत्रीय भाषाओं की स्पष्ट बढ़ाने के लिए तकनीकी शब्दों की मानकीकृत शब्दावली विकसित करना आवश्यक है। इससे खिलाड़ियों, कोचों और दर्शकों को खेलों की बारीकियों को अपनी भाषा में समझने में आसानी होगी।

## निष्कर्ष

उपर्युक्त अध्ययनों के आधार पर कहा जा सकता है कि खेलों में क्षेत्रीय भाषाओं द्वारा किए गए मार्गदर्शन से शारीरिक फिटनेस में सुधार होता है, उसी प्रकार से परामर्शदाता द्वारा किए गए परामर्श के कारण मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है और आपसी राय मशवरा करने पर हमारे सामाजिक संपर्क में भी सुधार होता है तथा समय-समय पर उचित निर्देशन किए जाने पर मनोवैज्ञानिक जरूरतों की भी पूर्ति होती है और हमारे सामाजिक कौशलों का विकास होता है। ठीक उसी तरह से क्षेत्रीय भाषाएँ खेलों को अधिक सुलभ, रोचक और समावेशी बनाती हैं। वे दर्शकों की सहभागिता बढ़ाने, खिलाड़ियों को सशक्त बनाने और खेल संस्कृति को संरक्षित करने में मदद करती हैं।

## संदर्भ सूची

- 1) sports channel - STAR Sports.
- 2) Sports Management in Physical Education - Sinku Kumar Singh.
- 3) रमेश चंद्र कंवर 1995 मनोविज्ञान शास्त्र.
- 4) क्रीडा मानवशास्त्र - प्रा. आलेगांवकर.
- 5) क्रीडा विश्वकोश - डायमंड प्रकाशन पुणे.

Cite this article:

प्रवीण ब्रिजलाल चंदनशिवे 2025 "खेलों में क्षेत्रीय भाषाओं की भूमिका और महत्व". *JES Bulletin*, 3(2):403-406.